

एक कंपनी का प्रिजेंट हो कंपनी बना में अधिकारों का अहमपन एवं नियमितिक्रम आर्किट के अंतर्गत का करना है.

- ① आवश्यकताओं एवं कार्य
- ② विवरण - एवं कार्य
- ③ कार्यपालिका पर नियंत्रण
- ④ अन्तर्गत विकासों को दूर करना।
- ⑤ आवश्यकताओं एवं कार्य

कंपनी बना कर एवं अधिक परव्यवस्था कार्य विधि का कानून का निर्माण करना हो कानूनों के निर्माण का अधिकार ब्रिटिश संसद में निहित हो, परंतु लार्ड्स तथा की शक्ति का रूप हो जो कि परिणामस्वरूप कंपनी बना ही आवश्यक रूप में यह कार्य करना हो। कंपनी बना यदि किसी विशेष विधेयक को पारित कर देगी तो अंतर्गत लार्ड्स तथा को कुछ पारित करना ही हो। किसी खाद्यपण विधेयक पर यदि 1 वर्ष में आवधि में लार्ड्स तथा कुछ पर निर्णय नहीं लेगी तो कंपनी बना कुछ अन्तर्गत की शक्ति के लिए अंतर्गत करती हो। खाद्यपण विधेयक किसी भी अन्तर्गत प्रस्तुत किया जा सकता हो इसके अन्तर्गत का लार्ड्स की रूप से नामपत्र भी हो और अंतर्गत लार्ड्स तथा अन्तर्गत में वह किसी भी खाद्यपण विधेयक को अधिक - से - अधिक एक वर्ष के लिए और अंतर्गत को रूप से एक पाठ के लिए रोकना एवं करती हो,

② विवरण एवं कार्य - राजकीय विवरण पर ही कंपनी बना का नियंत्रण रहता हो आप - रूप का करिब करण कंपनी बना में रखा जाता हो लार्ड्स - अन्तर्गत कंपनी बना द्वारा पारित किए हुए अन्तर्गत को एक पाठ (1) के अधिक नहीं रोक सकते और यदि वह ऐसा करती हो तो वह विधेयक पारित मान लिया जाता हो और इसे



सौधे उपहार के पात्र डमरी अनुपति के लिए भी ज दिया  
-आरा है

→ अतिथी प्यवरी पात्र के विनिर्णय कोपन अपन की  
अपन कारिके वजर प्रकृत गुण है और इसे लोकर  
करके कोपन अपन आजागी वजे के आय-उपय का निर्धारण  
करा है कोपन अपन को लोकर के बिना न ही  
कोई धन उपय दिए जा सकत है और न कोई क  
गणा या अरुग है पत्रां पद इलेखनीय है कि  
विन-विधेय कोपन अपन में प्रकृत दिए आर में और  
कोपन अपन का इच्छा के विरुध मंत्रिपरिषद् भी कर  
नही कर सकत। लेकिन कारिके विधि पद को डि  
मंत्रिपरिषद् जो कारी है, कदा भी में इस प्रथ  
निर्णय पापलों में कारिके नियंत्रण मंत्रिपरिषद् का  
ही हो जात है।

(2) कार्यपालिका पर नियंत्रण (Control over the Executive) -  
ब्रिटेन में कार्यपालिका पर नियंत्रण कि  
कोपन अपन का है, लॉर्ड्स अपन का नहीं। कोपन अपन  
देरा वर के प्रमाणन का निरीक्षण एवं नियंत्रण  
करा है पद निम्न रूपों में मंत्रिपरिषद् का नियंत्रण  
करा है -

(1) मंत्रिपरिषद् के अरुध उपनिगत एवं आपुष्टि उप  
में कोपन अपन के अति अरुधनी ही है मंत्रिपरिषद्  
का नेत्रा प्रमाणनी कोपन अपन के कदुपन रण का  
नेत्रा अरुध है मंत्रिपरिषद् उध अपन तक आपन पद  
पा वता रहता है, जब तक कोपन अपन का  
विश्वास आप है

(ii) कोपन अपन वजर में प्रकृत अरुधनी उपन की  
विधि मद्रों में करी करार, आप हीर प्रभाव  
अविश्वास के प्रभाव, प्रश्नों तथा अरुध नीरिधों  
एवं विभागीय की आजागीनाओं द्वारा कार्यपालिका पर  
नियंत्रण रहता है।



4) जनता की शिक्षणों का प्रणाली (व्यवस्थापन तो  
 पहले सुनिश्चित) -  
 वह विचार जोकरों का जीवन रख  
 होता है, क्योंकि इनके द्वारा जनता की आवश्यकताओं को  
 मांगें प्रकार में आगे ले इनके द्वारा राज्य की जन-  
 नीतियों को आलोचनात्मक तथा जनता की वैज्ञानिक शिक्षण  
 को होता है कंपनी तथा के अर्थ जनता द्वारा निर्धारित  
 होता है, अतः वे जनता की शिक्षणों को ही  
 अतः का प्रणाली अतः ही तथा उन्हें कंपनी तथा  
 तक पहुंचाए ही उन्हें प्रश्न तथा इनके अर्थ के  
 स्थापना के लिए प्रश्न प्रश्न अतः का अधिक  
 होता है।

#